Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding proposed amendments to GNCT of Delhi Act.

**श्री रवनीत सिंह (लुधियाना):** चेयरमैन सर, मैं कुछ कहना चाहता हूँ । …(व्यवधान) सर, कई बार इंसान बुरा हो सकता है । लेकिन चेयर, कुर्सी बुरी नहीं होती है । अब सर जो अमेंडमेंट्स आ रही हैं, जीएनसीटीडी जो दिल्ली में है, यह ठीक है कि हमारे भगवंतमान के लीडर केजरीवाल साहब हैं, जो चीफ मिनिस्टर हैं, उनके काम ऐसे हैं, पंजाब में भी उन्होंने बहुत..* *हैं । सर, लेकिन लोगों का कसूर नहीं है । अगर केजरीवाल किसी से, दिल्ली से या देश से नहीं बना रहा तो सर, लोगों की क्या गलती है? हम दिल्ली को क्यों दोबारा से म्युनिसिपल कॉर्पोशन बनाने जा रहे हैं? सर, मुख्यमंत्री का एक दर्जा है । हमने जम्मू-कश्मीर को भी तोड़ दिया । अब दिल्ली के लिए बढ़ गए हैं । केजरीवाल जाएगा और सौ आएंगे । …(व्यवधान) पर दिल्ली जो, वह एक नैशनल कैपिटल है । सर, दुनिया जानती है । अगर इसे डायलुट करेंगे, फेडरल सिस्टम को तोड़ेंगे तो हमारी छवि दुनिया में धूमिल होगी । सर, हमें पार्लियामेंट में विधान सभाओं को ताकत देनी है । उनकी ताकत वापस नहीं लेनी है । सर, इसलिए केजरीवाल को अलग छोड़ो, और दिल्ली पर रहम कीजिए । दिल्ली को इसी तरीके से उसकी ताकत दे कर रखें । चेयरमैन साहब, आपके द्वारा मैंने यही बात सरकार को कहनी है । …(व्यवधान)

**माननीय सभापति**: श्री कृपाल बालाजी तुमाने – उपस्थित नहीं ।

डॉ. जयसिद्धेश्वर शिवाचार्य ।